राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 10 अप्रैल • 2023

ामय से खुदाई कर किसान लें गुणवत्तापूर्ण लहसुन की फसल

सुन के पूरी तरह पक्व होने से पूर्व ाई से किसानों को सकता है नुकसान ारण में सतर्कता जरूरी

हारा न्यूज ब्यूरो

पुर।

ए कृषि एवं प्रौद्योगिकी ने लहसुन उत्पादक ों के लिए सलाह जारी । विवि वैज्ञानिकों का है कि लहसुन फसल मय से खुदाई करने पर ी गुणवत्ता वेहतर रहती है छे दाम मिलते हैं। देश- की महत्वपूर्ण शल्क कंदी (वल्व) लहसुन की अपने यहां व्यापक मांग भिन्न व्यंजनों में इसका उपयोग किया है। उत्तरप्रदेश देश में लहसुन उत्पादन स्थान से पीछे दूसरे नंवर पर है।

विवि के कल्याणपुर स्थित साकभाजी धान केन्द्र के विभागाध्यक्ष डॉ.आरवी ने वताया कि अमूमन लहसुन की अक्टूवर में करके किसान अप्रैल के में इसकी खुदाई करते हैं। अप्रैल के महीने में जव लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने लगे, कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाये, तव इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए।

उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें। अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है व इससे किसानों को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि वेहतर गुणवत्ता के लिए लहसुन खुदाई से 20-25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से वचाया जा सकता है। उनके मुताविक लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई वंद कर देना चाहिए। इससे गुणवत्ताक्षमता में वृद्धि होती है।

डॉ.सिंह का कहना है कि किसान खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को वल्व से 2-3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व वल्व से मिट्टी को अच्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4-5 दिन तक रखना चाहिए। इसके वाद कटेफटे वल्व को अलग करते हुए समान रंग आकार के वल्व को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के कैरेट्स में रखकर हवादार कमरों में रखना चाहिए।

लहसुन की फसल ले जाते किसान व इनसेट में पके लहसुन।

लहसुन बड़ा गुणकारी

विवि के निदेशक शोध डॉ.पीके सिंह के मुताविक लहसुन वहुत गुणकारी फसल है। कार्वोहाइड्रेट, प्रोटीन, फास्फोरस के साथ विटामिंस की पर्याप्त मात्रा के कारण लहसुन में औषधि के गुण होते हैं। लहसुन का तीखापन डाईएलील डाईसल्फाइड के कारण होता है। उन्होंने कहा कि औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन का प्रयोग आयुर्वेदिक व यूनानी पद्धति में विभिन्न रूपों में किया जाता है। यह वातहर तथा भोजन के पाचन में गैसहर के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। लहसुन में कीटनाशक, कवक नाशक गुण भी पाये जाते हैं। यह जोड़ों में दर्द व कोलेस्ट्रोल को भी कम करता है।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

पीएम मोदी ने गिनाई प्रोजेक्ट टाइगर की... 12

शादी अनुदान योजना: 150 करोड़ स्वीकृत निर्धन... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 177
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
सोमवार | 10 अप्रैल, 2023

लहसुन उत्पादक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुसंधान केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ.आर.बी.सिंह ने रविवार को लहसुन उत्पादक किसानो के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने कहा कि

लहसुन हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण शल्क कंदी फसल है। जिसके उत्पादन में राजस्थान प्रथम व उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि किसान लहसुन की बुवाई अक्टूबर में कर अप्रैल में इसकी खुदाई करते हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल के महीने में जब लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए। उन्होंने किसानो को लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में न करने की सलाह दी। निदेशक शोध डॉ.पी.के. सिंह ने कहा कि लहसुन में औषधि गुण होते हैं इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फास्फोरस के साथ विटामिंस भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाते हैं। लहसुन का तीखापन उसमें पाए जाने वाले डाईएलील डाईसल्फाइड के कारण होता है। डॉ. सिंह ने कहा कि औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन का प्रयोग आयुर्वेदिक और यूनानी पद्धति में औषधि के विभिन्न रूपों में प्रयोग किया जाता है यह वातहर तथा भोजन के पाचन में गैसहर के रूप में भी प्रयोग किया जाता है । लहसुन में कीटनाशक, कवक नाशक गुण भी पाए जाते हैं व यह जोड़ों में दर्द तथा कोलेस्ट्रोल को कम करता है।

वर्ष-17 अंक-97 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 10 अप्रैल 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

लहसुन फसल की करें समय से खुदाई, गुणवत्ता रहेगी बरकरारः डा. आर बी सिंह

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुसंधान केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ आर बी सिंह ने आज दिनांक 09 अप्रैल 2023 को लहसुन उत्पादक किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी कर कहा है कि लहसुन हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण शल्क कंदी (बल्ब) फसल है। देश में लहसुन के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। लहसुन का प्रयोग सब्जी, मसाला तथा अचार बनाने में किया जाता है डॉक्टर सिंह ने कहा कि लहसुन की बुवाई अक्टूबर में करके किसान भाई अप्रैल के महीने में इसकी खुदाई करते हैं।अप्रैल के महीने में जब लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए। तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है।जिससे किसान भाइयों की आय में विपरीत असर पड़ सकता है।डॉक्टर आरबी सिंह ने किसान भाइयों से लहसुन की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता बनाए रखने के लिए कहा कि लहसुन खुदाई से 20 - 25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से बचाया जा सकता है लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई देना बंद कर देना चाहिए जिससे गुणवत्ता क्षमता में वृद्धि हो जाती है। तथा खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को बल्ब से 2 - 3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व बल्ब से मिट्टी इत्यादि को अच्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4 - 5 दिन तक रखना चाहिए। इसके बाद कटे-फटे बल्ब को अलग कर देना चाहिए समान रंग आकार के बल्ब को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के कैरेट्स में रखकर हवादार कमरों में रखना चाहिए। निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने कहा कि लहसुन में औषधि गुण होते हैं इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फास्फोरस के साथ विटामिंस भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। लहसुन का तीखापन डाईएलील डाईसल्फाइड के कारण होता है डॉ. सिंह ने कहा कि औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन का प्रयोग आयुर्वेदिक और यूनानी पद्धति में औषधि के विभिन्न रूपों में प्रयोग किया जाता है।यह बातहर तथा भोजन के पाचन में गैसहर के रूप में भी

प्रयोग किया जाता है । लहसुन में कीटनाशक, कवक नाशक गुण भी पाए जाते हैं।यह जोड़ों में दर्द तथा कोलेस्ट्रोल को कम करता है।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस

रविवार 09 अप्रैल, 2023 | अंक - 344

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

लहसुन फसल की समय से करें खुदाई

गुणवत्ता रहेगी बरकरार : डॉ. आर बी सिंह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुसंधान केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ. आर. बी. सिंह ने रविवार को लहसुन उत्पादक किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी कर कहा है कि लहसुन हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण शल्क कंदी (बल्ब) फसल है। देश में लहसुन के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। लहसुन का प्रयोग सब्जी, मसाला तथा अचार बनाने में किया जाता है डॉक्टर सिंह ने कहा कि लहसुन की बुवाई अक्टूबर में करके किसान भाई अप्रैल के महीने में इसकी खुदाई करते हैं।अप्रैल के महीने में जब लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए। तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है जिससे किसान भाइयों की आय में विपरीत असर पड़ सकता है। डॉक्टर आरबी सिंह ने किसान भाइयों से लहसुन की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता बनाए रखने के लिए कहा कि लहसुन खुदाई से 20 - 25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से बचाया जा सकता है लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई देना बंद कर देना चाहिए जिससे गुणवत्ता क्षमता में वृद्धि हो जाती है। तथा खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को बल्ब से 2 - 3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व बल्ब से मिट्टी इत्यादि को अच्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4 - 5 दिन तक रखना चाहिए। इसके बाद कटे-फटे बल्ब को अलग कर देना चाहिए समान रंग आकार के बल्ब को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के कैरेट्स में रखकर हवादार कमरों में रखना चाहिए। निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने कहा कि लहसुन में औषधि गुण होते हैं इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फास्फोरस के साथ विटामिंस भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। लहसुन का तीखापन डाईएलील डाईसल्फाइड के कारण होता है डॉ. सिंह ने कहा कि औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन का प्रयोग आयुर्वेदिक और यूनानी पद्धति में औषधि के विभिन्न रूपों में प्रयोग किया जाता है। यह बातहर तथा भोजन के पाचन में गैसहर के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। लहसुन में कीटनाशक, कवक नाशक गुण भी पाए जाते हैं। यह जोड़ों में दर्द तथा कोलेस्ट्रोल को कम करता है।

आज का पंचांग
10 अप्रैल 2023

सूर्य उदयः 05:49:35 सूर्यास्तः 18:27:46

अरुण पांडे (गुरुजी) राशि विचार ज्योतिष एवं वास्तु कार्यालय, कानपुर ,उत्तर प्रदेश सूत्र-9450127391 एवं 9793537009

मेष ARIES
आज भी दिन विपरीत फल देने वाला रहेगा। स्वयं अथवा किसी पारिवारिक सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी दवाओं पर खर्च बढ़ेगा। कार्य क्षेत्र पर भी परिश्रम के अनुसार लाभ मिलेगा नए कार्य के आरम्भ के विचार को टालना पड़ सकता है।

वृषभ TAURUS
आज भी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने से लाभ के कई अवसर मिलेंगे परन्तु अज्ञान की स्थिति अथवा गलत सलाह के कारण लाभ होना संदिग्ध ही रहेगा। बहुप्रतीक्षित अतिमहत्त्वपूर्ण कार्य पूरा होगा। धन लाभ रुक-रुक कर होता रहेगा। घर में सुख के साधनों की वृद्धि होगी इसपर अधिक खर्च भी होगा।

मिथुन GEMINI
आपका आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यों की असफलता अथवा किसी महत्त्वपूर्ण अनुबंध के निरस्त होने से स्वभाव में चिड़चिड़ा पन आ सकता है। वाणी का स्वछंदपन कार्य क्षेत्र एवं घर का वातावरण बिगाड़ेगा। विवेक से कार्य करें दोपहर के बाद किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति से सहयोग मिलने की संभावना है।

कर्क CANCER
आज आपकी महत्त्वकांक्षाओं की पूर्ती में अड़चने आने से हताश हो सकते है। फिर भी भले-बुरे का विवेक रहने से मानसिक रूप से परेशान नहीं होंगे। कार्य क्षेत्र पर अधिकारी एवं सहकर्मी सहयोग करेंगे निश्चित समय से पहले कार्य पूर्ण कर घरेलु कार्यों में व्यस्त रहेंगे। धार्मिक गतिविधियों में भी सक्रियता दिखाएंगे।

सिंह LEO
आज दिन का पूर्वार्ध नयी उलझने लाएगा। हठी प्रकृति रहने से व्यापार में हानि एवं मित्रजनों से दूरी बढ़ सकती है। महत्त्वपूर्ण कार्य को अनुभवियों के परामर्श के बाद ही करें अन्यथा थोड़े समय के लिए टाल दें। नौकरी के व्यवहार से भी परेशानी हो सकती है। दोपहर के बाद स्थिति धीरे-धीरे नियंत्रण में आने लगेगी।

कन्या VIRGO
आज भी दिन का अधिकांश समय शांति से व्यतीत होगा। थोड़ी आर्थिक परेशानियां रह सकती है परंतु मानसिक रूप से दृढ़ रहेंगे। फिर भी कार्य को करने की ठानेंगे उसे हानि-लाभ की परवाह किये बिना पूर्ण करके छोड़ेंगे। कार्य क्षेत्र पर अन्य व्यक्ति की दखलंदाजी से थोड़ी परेशानी एवं बहस हो सकती है।

तुला LIBRA
आज का दिन आपके लिए सौभाग्य में वृद्धि करने वाला रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी कार्य व्यवसाय में भी कई दिन से चल रही योजना के सफल होने पर उत्साह का वातावरण बनेगा। धन लाभ आज आवश्यकता और आशाजनक ही होगा।

वृश्चिक SCORPIO
आज दिन का प्रारंभिक भाग सुख-शांति से बिताएंगे। मन खुश रहने से आसपास का वातावरण भी हास्यमय बनाएंगे। मित्र रिश्तेदारों के साथ भविष्य की योजनाओं पर खुल कर विचार करेंगे। परन्तु दोपहर के समय स्थिति एक दम उलट हो जायेगी।

धनु SAGITTARIUS
आज के दिन आपको प्रत्येक कार्य में सावधानी रखने की सलाह है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय के कारण धन के साथ सम्मान की भी हानि हो सकती है। कार्य क्षेत्र पर काम काम रहेगा ऊपर से अप्रिय घटनाओं के कारण दुविधा की स्थिति बनेगी।

मकर CAPRICORN
आज दिन का पूर्वार्ध आशा से अधिक शुभ रहेगा। आज के दिन आकस्मिक घटनाएं अधिक घटित होंगी चाहे वो आर्थिक या पारिवारिक हो। नौकरी पेशा जातको को भी मेहनत का फल मिलेगा सम्मान में वृद्धि के साथ आय के मार्ग खुलेंगे। बेरोजगारों को थोड़ा प्रयास करने पर रोजगार उपलब्ध हो सकता है।

कुंभ AQUARIUS
आज आपको अनुकूल फल मिलेंगे लेकिन कुछ समय के लिए विपरीत फल मिलने से मन में नकारात्मकता भी रहेगी। कार्य को करने से पहले ही हार मान लेने से सफलता की उम्मीद भी अल्प रहेगी। आज किसी व्यक्ति का ना चाहते हुए भी सहयोग अथवा कोई अप्रिय कार्य करना पड़ेगा।

मीन PISCES
आज के दिन धन की कमी रहने पर भी खुश रहने का सफल प्रयास करेंगे। सेहत में सुधार आएगा परिजनों से भावनात्मक सम्बन्ध रहने से मन को शांति मिलेगी। परन्तु आज प्रेम प्रसंगों से दूरी बनाना ही बेहतर रहेगा अन्यथा धन और पारिवारिक मान हानि हो सकती है।

लहसुन जोड़ों में दर्द तथा कोलेस्ट्रॉल को कम करता

फसल की करें समय से खुदाई, गुणवत्ता रहेगी बरकरार

डीटीएनएन

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुसंधान केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ आर बी सिंह ने आज दिनांक 09 अप्रैल 2023 को लहसुन उत्पादक किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी कर कहा है कि लहसुन हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण शल्क कंदी (बल्ब) फसल है। देश में लहसुन के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। लहसुन का प्रयोग सब्जी, मसाला तथा अचार बनाने में किया जाता है डॉक्टर सिंह ने कहा कि लहसुन की बुवाई अक्टूबर में करके किसान भाई अप्रैल के महीने में इसकी खुदाई करते हैं।अप्रैल के महीने में जब लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए। तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है जिससे किसान भाइयों की आय में विपरीत असर पड़ सकता है डॉक्टर आरबी सिंह ने किसान भाइयों से लहसुन की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता बनाए रखने के लिए कहा कि लहसुन खुदाई से 20 - 25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से बचाया जा सकता है लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई देना बंद कर देना चाहिए जिससे गुणवत्ता क्षमता में वृद्धि हो जाती है। तथा खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को बल्ब से 2 – 3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व बल्ब से मिट्टी इत्यादि को अच्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4 - 5 दिन तक रखना चाहिए। इसके बाद कटे-फटे बल्ब को अलग कर देना चाहिए समान रंग आकार के बल्ब को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के कैरेट्स में रखकर हवादार कमरों में रखना चाहिए। निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने कहा कि लहसुन में औषधि गुण होते हैं इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फास्फोरस के साथ विटामिंस भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। लहसुन का तीखापन डाईएलील डाईसल्फाइड के कारण होता है डॉ. सिंह ने कहा कि औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन का प्रयोग आयुर्वेदिक और यूनानी पद्धति में औषधि के विभिन्न रूपों में प्रयोग किया जाता है।यह बातहर तथा भोजन के पाचन में गैसहर के रूप में भी प्रयोग किया जाता है । लहसुन में कीटनाशक, कवक नाशक गुण भी पाए जाते हैं।यह जोड़ों में दर्द तथा कोलेस्ट्रोल को कम करता है।

आज महानगर 10/04/2023

औषधीय गुणों से भरपूर है लहसुन, जोड़ों में दर्द के साथ कम करता कोलेस्ट्रोल

लहसुन फसल की करें समय से खुदाई, गुणवत्ता रहेगी बरकरार

कानपुर, 9 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की ओर से कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुसंधान केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ आर बी सिंह ने आज लहसुन उत्पादक किसान भाइयों को एडवाइजरी जारी की है। वैज्ञानिक ने कहाकि लहसुन हमारे देश एवं प्रदेश की महत्वपूर्ण शल्क कंदी (बल्ब) फसल है। देश में लहसुन के उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है जबकि दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। लहसुन का प्रयोग सब्जी, मसाला तथा अचार बनाने में किया जाता है। डॉ सिंह ने कहा कि लहसुन की बुवाई अक्टूबर में करके किसान भाई अप्रैल के महीने में इसकी खुदाई करते हैं। अप्रैल के महीने में जब लहसुन की पत्तियां पीली पड़ने लगे तथा कंद के पास गर्दन से नरम होकर झुकने लगे एवं कंद के रंगों में चमक आ जाए। तब इसे खुदाई योग्य समझना चाहिए। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वे लहसुन की खुदाई अपरिपक्व अवस्था में कदापि न करें अन्यथा लहसुन के कंद की गुणवत्ता व भंडारण क्षमता कम हो जाती है। जिससे किसान भाइयों की आय में विपरीत असर पड़ सकता है। डॉ आरबी सिंह ने किसान भाइयों से लहसुन की गुणवत्ता एवं भंडारण क्षमता बनाए रखने के लिए कहा कि लहसुन खुदाई से 20-25 दिन पहले 3000 पीपीएम मैलिक हाइड्रोक्साइड दवा का छिड़काव कर देने से लगभग 300 दिन तक लहसुन को प्रतिकूल असर से बचाया जा सकता है लहसुन की खुदाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई देना बंद कर देना चाहिए जिससे गुणवत्ता क्षमता में वृद्धि हो जाती है। तथा खुदाई के उपरांत लहसुन के डंठल को बल्ब से 2-3 सेंटीमीटर गर्दन छोड़कर कटाई करें व बल्ब से मिट्टी इत्यादि को अज्छी प्रकार से साफ करके छायादार स्थान में 4-5 दिन तक रखना चाहिए। इसके बाद कटे-फटे बल्ब को अलग कर देना चाहिए समान रंग आकार के बल्ब को हवादार कमरे में लटका कर रखें या भंडारण के लिए हवादार प्लास्टिक के कैरेट्स में रखकर हवादार कमरों में रखना चाहिए। निदेशक शोध डॉ पी के सिंह ने कहा कि लहसुन में औषधि गुण होते हैं इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फास्फोरस के साथ विटामिंस भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। लहसुन का तीखापन डाईएलील डाईसल्फाइड के कारण होता है डॉ. सिंह ने कहा कि औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन का प्रयोग आयुर्वेदिक और यूनानी पद्धति में औषधि के विभिन्न रूपों में प्रयोग किया जाता है। यह बात हर तथा भोजन के पाचन में गैस हर के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। लहसुन में कीटनाशक, कवक नाशक गुण भी पाए जाते हैं। यह जोड़ों में दर्द तथा कोलेस्ट्रोल को कम करता है।

ट्रैक्टर में लहसुन लादकर ले जाते किसान।

लहसुन उत्पादन में राजस्थान प्रथम और उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर